**Myomectomy -** गर्भाशय की गठान को हटाने के लिए किया जाता है।

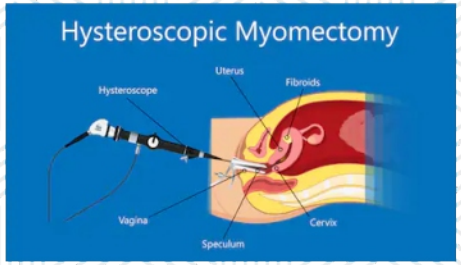


**गर्भाशय धमनी एम्बालिज्म (Uterine Artery Embolism) -** इस प्रक्रिया का उपयोग फ्रॉइब्राइड्स के ईलाज के लिए किया जाता है। जिसमें गर्भाशय के रक्त वाहिकाओं को अवरूद्ध किया जाता है जिससे फाइब्राइड्स की ओर रक्त प्रवाह कम हो जाता है। जिससे **Fibroid** बढ़ नही पाते।

**Hysterectomy -** यह एक शल्य प्रक्रिया है जिसमें गर्भाशय को निकाल दिया जाता है जब अन्य सभी प्रकार के उपचार विकल्प विफल हो गए हो या गर्भाशय में कैंसर के शुरूआती लक्षण दिखे तो **Hysterectomy** के लिए जाना चाहिए। इस शल्य प्रक्रिया को पेट से (TAH) योनि (VH) के रास्ते तथा दूरबीन द्वारा (TLH) किया जा सकता है।

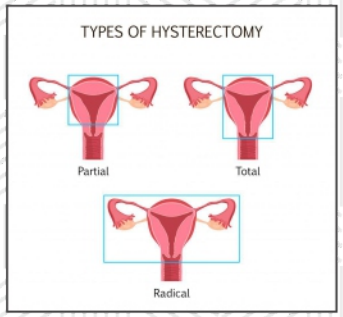


अगर किसी को अनियमित माहवारी की शिकायत है तो शुरूआती स्तर पर साधारण ईलाज के द्वारा इस परेशानी से निजात पा सकते है।

## उपलब्ध सुविधाएं

- 7 स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम
- आधुनिक मेडिकल एवं सर्जिकल सेंटर
- प्रजनन केन्द्र (Fertility Centre) & IUI, IVF, ICSI
- हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (High Risk Pregnancy)
- आधुनिक दूरबीन पद्धति (Laparoscopy) द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन
- बिना चीरा, बिना टांके के बच्चेदानी का ऑपरेशन **(Vaginal Hysterectomy)**
- गर्भाशय मुख की जाँच (Colposcopy)
- Malformation Scan (Sonography)
- विशेष गर्भ संस्कार मार्गदर्शन
- Hysteroscopy दूरबीन द्वारा बच्चेदानी की जाँच व ईलाज
- दर्द रहित प्रसव। (EPIDURAL)
- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त गर्भपात एवं परिवार नियोजन केन्द्र।
- कम्प्यूटराईज मशीन द्वारा गर्भस्थ शिशु के धड़कन की जांच। (NST)
- स्तन कैंसर से बचाव व उपचार।
- मेनोपॉज क्लिनिक (रजोनिवृति)।
- पैथोलॉजी।
- फिजियोथेरेपिस्ट उपलब्ध
- न्यूट्रीशियनिस्ट उपलब्ध

# असामान्य गर्भाशय रक्त स्त्राव (AUB)

SBH® WOMEN HOSPITAL Pvt. Ltd.

ICSI एवं IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर)

**सुपर स्पेशलिटी प्रसूति एवं स्त्रीरोग हॉस्पिटल**

0771-4017979, 4047462 www.sbhhospital.com
विजेता काम्पलेक्स के सामने, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

महावारी चक्र की सामान्य अवधि 21-35 दिन के बीच हो सकती है, और यह सामान्यतः एक सप्ताह के लिए रहती है। **(AUB)** ऐसी स्थति है जिसमें गर्भाशय से अनियमित रक्तस्त्राव होता है।रक्तस्त्राव सामान्य से ज्यादा हो सकता है और यह लंबी अवधि के लिए हो सकता है।

## लक्षण :-

- मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक रक्तस्त्राव
- मासिक धर्म समाप्त होने के बाद भी रक्तस्त्राव या रक्त का धब्बा दिखना।
- मासिक चक्र में अनियमितता जिसमें चक्र की अवधि सामान्य दिनों से अधिक होती है।
- यौन सबंध के बाद रक्तस्त्राव या रक्त का धब्बा।
- रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्त्राव होना।

## कारण :-

माहवारी के दौरान ज्यादा रक्तस्त्राव या माहवारी के अलावा असामान्य रूप से रक्तस्त्राव होना चिंता का विषय है। इसिलिए इसका कारण पता कर इलाज शुरू करना जरूरी है
AUB के कारण इस प्रकार है -

1. गर्भाशय पॉलिप (Uterine Polyp) - यह गर्भाशय के आंतरिक परत से विकसित होता है तथा गर्भाशय के मुँह में पाए जाते है, जो कि आमतौर पर साधारण होते है, परंतु कुछ कैंसर पूर्ण भी हो सकते है।

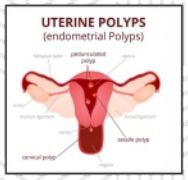


2. Adenomyosis - बच्चेदानी में सूजन गांठ :- गर्भाशय की आंतरिक परत गर्भाशय की मांसपेशियों तक बढ़ जाती है और बच्चेदानी में सूजन आ जाता है जिसके कारण अत्यधिक रक्तस्त्राव हो सकता है।

3. गर्भाशय में रसौली (Fibroid) - यह गर्भाशय के मांसपेशियों की गांठ होती है, जो गर्भ की दीवारों मे पनपते है। यह एक या एक से ज्यादा भी हो सकते है यह कैंसर जनक नही होते है।

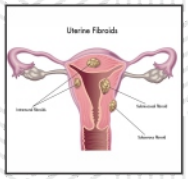


4. गर्भाशय कैंसर - गर्भाशय की अंदरूनी परत अधिक मोटी होती है जिसे **Endometrial Hyperplasia** कहते है और कुछ मामलों में यह आंतरिक परत के कैंसर का कारण बनती है

5 रक्त से संबंधित विकार - रक्तपेशियों से संबंधित बीमारी में अधिक रक्तस्त्राव होता है।

6 चिकित्साजनित - कभी कभी **IUCD** (गर्भाशय में गर्भनिरोधक **Device**) या किसी अन्य दवाईयों के उपयोग से भी हो सकता है

## ईलाज :-

### 1. दवाई द्वारा ईलाज (Medical Management)

इसका मुख्य उद्देश्य वर्तमान में मासिक धर्म के प्रवाह को नियंत्रित करना तथा इसके बाद के माहवारी के दौरान रक्त की क्षति को कम करना होता है। प्रारंभिक उपचार में दवाईयों का उपयोग किया जाता है, जैसे कि गर्भनिरोधक गोलियां ANIRENA प्रोजेस्टिन थेरेपी आदि शामिल है और कुछ परिथितियों में शीघ्र शल्य चिकित्सा **(Surgery)** की आवश्यकता होती है।

### 2. शल्य चिकित्सा (Surgical Management)

1. Diagnostic हिस्टेरोस्कोपी - इसमें दूरबीन द्वारा बच्चे दानी के अंदर प्रवेश कर गर्भाशय गुहा और आंतरिक परत, पॉलिप का परीक्षण किया जाता है।

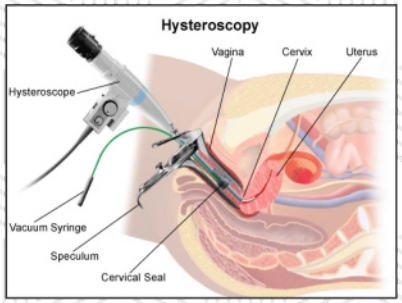


2. एन्डोमेट्रियल बायोप्सी और D&C - गर्भाशय की अंदरूनी परत से एक,छोटी सी कोशिका का नमूना लिया जाता है और फिर Microscope द्वारा कैंसर की संभावना की जांच की जाती है। जिन रोगियों में गर्भाशय के अंदरूनी परत में कोई पैथोलॉजी का संदेह होता है या परत मोटी होने से अतिरक्तस्त्राव हो रहा है, ऐसे में संपूर्ण परत को खरोच लिया जाता है (D&C)

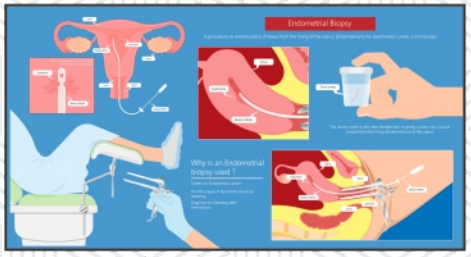


### 3. हिस्टेरोस्कापिक (Guided Polypectomy)

इसमें दूरबीन जैसे उपकरण को गर्भाशय के अंदर डालकर **Polyp** को निकाल दिया जाता है। इन पॉलिप्स में कैंसर की संभावना को दूर करने के लिए इसको निकालना आवश्यक है एवं उसके पश्चात **Polyp** की **Biopsy** जांच की जाती है